वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 301 | बुधवार 28 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री का मुरैना दौरा

संत महात्माओं ने किया भारतीय संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन: मुख्यमंत्री शर्मा

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति और परम्पराएं समृद्ध हो रही हैं। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की भव्य प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या विश्व में एक बड़े सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभरा है।

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को मध्यप्रदेश के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने मुरैना जिले में करह धाम आश्रम पहुंचकर पटिया वाले बाबा मंदिर में दर्शन किये। मुख्यमंत्री ने मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। आश्रम परिसर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संत-महात्माओं ने भारतीय संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन किया है। हमारे संस्कार संत महात्माओं की देन है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति और परम्पराएं समृद्ध हो रही हैं। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की भव्य प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या विश्व में एक बड़े सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि करह धाम तपोभूमि है जहां संत-महात्माओं ने बरसों तक तपस्या की है। करह धाम के सिय पिय मिलन समारोह की ख्याति देश भर में है। यहां लाखों लोग प्रसिद्ध विद्वानों द्वारा सुनाई जाने वाली रामकथा का श्रवण करते हैं। शर्मा ने पटिया वाले बाबा मंदिर पर पहुंचकर भगवान राम दरबार के दर्शन किये और पटिया वाले बाबा के सामने माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं वर्षों से चल रही रामधुन में बैठकर धर्मलाभ लिया और सरयू के जल का आचमन किया। मुरैना प्रवास के दौरान एक सामाजिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश दोनों एक दूसरे से सटे हुए राज्य हैं और धौलपुर और मुरैना में कोई अंतर महसूस नहीं होता है। पहले भरतपुर, धौलपुर जिले में आता था, मैं भरतपुर का रहने वाला हूं। उन्होंने कहा कि मुरैना वीरों की भूमि रही है, यहां शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल जैसे महान योद्धा ने जन्म लिया, जिन्हें मैं नमन करता हूं।

सर्वसम्मति से चुना जाएगा लोकसभा प्रत्याशी

सभी एकजुट होकर लड़ेंगे चुनाव: दीया कुमारी

अजमेर. शाबाश इंडिया। भाजपा की अजमेर लोकसभा प्रभारी एवं उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ओर से सर्व सम्मत लोकसभा प्रत्याशी तय किया जाएगा और सभी एकजुट होकर चुनाव लडेंगे। अजमेर भाजपा कार्यालय में लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिए आयोजित बैठक में भाग लेने के बाद दीया कुमारी पत्रकारों से बात कर रही थी। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के लिए कार्य योजना बना ली गई है जिस पर अमल करने के लिए मंथन चल रहा है। इसी क्रम में इस बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता शामिल हुए है। उनका कहना था कि जिताऊ प्रत्याशी को मैदान में उतारा जाएगा। जिसका निर्णय सभी एकजुटता के साथ सर्वसम्मत तरीके से करेंगे। दीया कुमारी का कहना था कि उनकी बैठक सफल रही है जिसमें सभी ने अपने विचार रखे।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

किसी को ये खौफ है कि परमात्मा देख ना ले..
और किसी की ये आरजू है कि परमात्मा देखता रहे...!

एक फकीर हुआ जो बड़ा विद्वान, अनुभवी सन्त था। एक दिन राह से गुजर रहा था, उसने सामने से आते हुए एक लंगड़े भिखारी को देखा। भिखारी की एक टांग टूटी हुई थी, परन्तु उसके चेहरे पर जो आनन्द, जो खुशी, जो प्रसन्ता और सन्तुष्टि देखी, उसे देखकर, मैं तो हैरान हो गया। सन्त ने उस भिखारी से पूछा-बड़ी अभाव पूर्ण कठिन ज़िन्दगी है तुम्हारी। पैरों से लाचार, फिर भी चेहरे पर आनंद, मन की प्रसन्नता का कारण क्या है-? ऐसी खुशी, आनंद तो बड़े-बड़े धनपतियों के चेहरे पर भी नजर नहीं आता--? भिखारी ने बहुत गहरी बात कही, महात्मा जी -- ये सच है कि मैं गरीब हूँ, लाचार हूँ, यह भी सच है, कि मैं रोज भीख मांगता हूँ। पर मैं यह सोचकर प्रसन्न और सन्तुष्ट बना रहता हूँ कि इस दुनिया में हजारों-लाखों ऐसे भी लोग है, जिनकी स्थिति हमसे भी बदतर है। उनके ना हाथ है, ना पैर है। कुछ अन्धे हैं, तो कुछ बहरे हैं। कुछ के तो दोनों ही नहीं है, तो कुछ गूंगे है। मेरे सौभाग्य से दो आँख है , जिनसे मैं देख रहा हूँ। दो कान है, जिनसे मैं सुन रहा हूँ। दो हाथ है, जिनसे मैं खा पी रहा हूँ। जिन्हें फैलाकर मैं भीख भी मांग रहा हूँ। मैं सोचता हूँ कि मैं उन लोगों से कितना बेहतर हूँ। फिर मैं क्यो ना खुश रहूँ, क्यों ना आनन्दित रहूँ। एक पैर नहीं है तो क्या हुआ -? बाकी तो सब कुछ है। इसको कहते हैं दुःख में से सुख खोजना। जो है सो है।

किसी ने कहा...
ऐ ज़िन्दगी ! तू खेलती बहुत है खुशीयों से हमारी..
हम भी इरादे के पक्के हैं, मुस्कुराना नहीं छोड़ेंगे...

भारतीय जैन युवा परिषद् द्वारा संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विधासागर जी विन्यांजलि सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन युवा परिषद् की और से संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विधासागर जी महामुनिराज को भावभीनी विन्यांजलि देने के लिए सभा का आयोजन किया गया भारतीय जैन युवा परिषद के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र बोहरा ने अवगत कराया की इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम णमोकार मंत्र का जाप किया गया एवं महामुनिराज के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित किया गया तत्पश्चात परम पूज्य आचार्य शिरोमणि 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के जीवन पर उपस्थित सदस्यों ने अपने अपने विचार प्रकट किये। विनयांजलि सभा में युवा परिषद के महामंत्री रवि रावंका, सलाहकार विनोद जैन लदाना, प्रणव प्रेरणा लुहाडिया, शेखर रतन सोगानी, ममता बोहरा, मानसरोवर जोन प्रभारी आलोक प्रेरणा पाटनी, समाज समाज श्रेष्ठी राजेन्द्र सोगानी, पवन छाबड़ा राजेन्द्र लदाना, देवेन्द्र बैद, नवरत्न पवालिया, टीकम निशा जैन आदि उपस्थित थे।

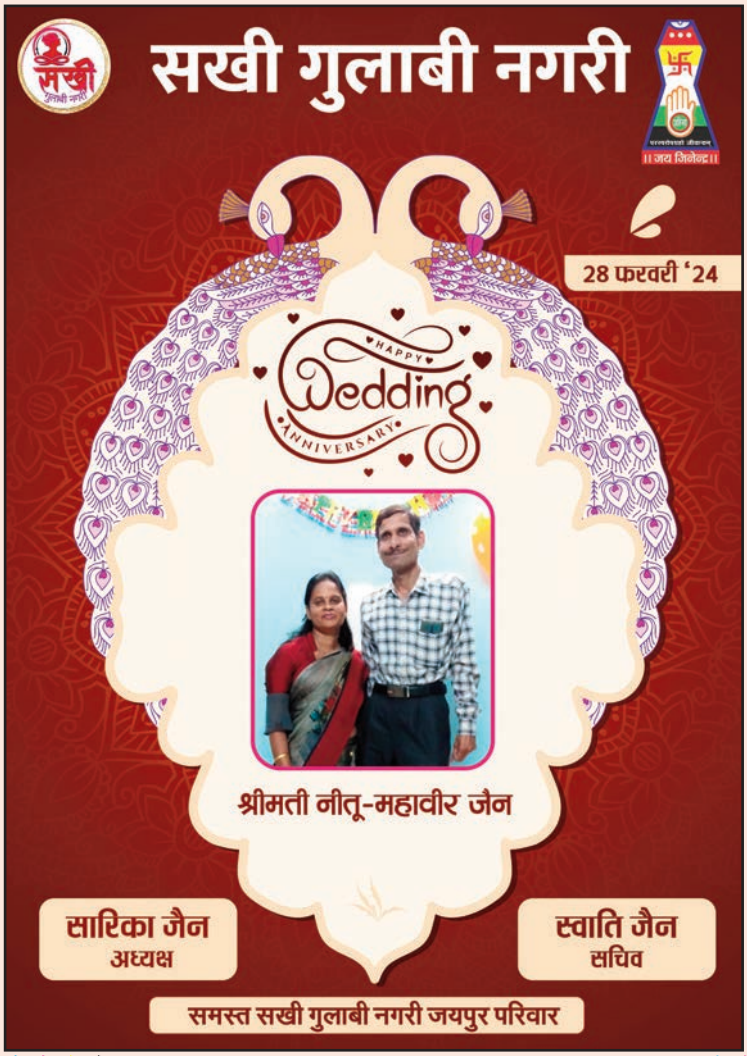

जिसे गाने से किया इंकार, उसी गाने ने पंकज को बनाया 'सिंगिंग सुपरस्टार'

चाहने वालों की यादों में-पंकज उधास

उदयपुर

''चिट्ठी आई है, आई है, आई है, चिट्ठी आई है'' गीत के बोल कानों में पड़ते ही अपनी माँ और मिट्टी से दूर रहने वाले तमाम बेटों को अनायास ही घर की याद आ जाती है..... और साथ ही याद आती है सुरीले सिंगर - पंकज उधास की, जो हाल ही में अपने संगीत के सफर को विराम देकर, हमेशा-हमेशा के लिए खामोश हो गए और खामोश हो गई एक ऐसी खनकती आवाज, जिसने मयखाने से, शराब से, साकी से, जाम से, अपने चाहने वालों का एक बेहद खूबसूरत रिश्ता कायम कर दिया था। जिनकी रूह दुनिया के तमाम प्रेमियों के तन-मन में समा कर अपनी प्रेमिका के लिए गाती थी- चाँदी जैसा रंग है तेरा, सोने जैसे बाल, एक तू ही धनवान है गौरी, बाकी सब कंगाल। पंकज उधास सुरों की दुनिया की एक ऐसे सरताज थे, जिन्होंने अपने गीतों और गजलों में नायिका के सौंदर्य को इतनी नजाक त से बयां किया कि एक-एक शब्द कानों से होता हुआ, लोगों के दिल में उतर गया। जरा याद कीजिए फिल्म ''मोहरा'' का सुनील शेट्टी और पूनम झावर पर फिल्माया गया ये गीत- ना कजरे की धार, ना मोतियों के हार, ना कोई किया सिंगार, फिर भी कितनी सुंदर हो। मजे.की बात तो ये है कि 1986 में आई फिल्म 'नाम' के जिस गाने से वे मशहूर हुए, उसे पहले उन्होंने गाने से ही मना

कर दिया था, लेकिन इनके बड़े भाई मनहर उधास के कहने पर उन्होंने वो गाना गाया और रातों-रात सिने जगत के चहेते सिंगर बन गए। अपने 4 दशक के सिंगिंग करियर में उन्होंने सैंकड़ों गीत गाए, जिनमें दयावान का आज फिर तुमपे, प्यार आया है, सुपरहिट फिल्म साजन का जिएं तो जिएं कैसे, जैकी श्रॉफ और माधुरी दीक्षित की म्यूजिकल फिल्म संगीत का जो गीत नहीं जन्मा, वो गीत बनाएंगे, तेरे प्यार का सुर लेकर संगीत बनाएंगे और अपने बेहतरीन गीतों के लिए याद की जाने वाली फिल्म सनम का खुदा करे के मोहब्बत में, वो मकाम आए, मेरे लबों पे हमेशा सनम का नाम आए जैसे गानों की एक लम्बी फेहरिस्त है। जिनकी गाई गजलों को गुनगुनाकर जमाने ने कभी गम गलत किया, तो कभी इजहारे-इश्क, आज उनके जाने पर, उनके वही चाहने वाले, कैफी आजमी साहब की ये नज्म गुनगुनाकर, उन्हें संगीतमयी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं.....

रहने को सदा दहर में आता नहीं कोई
तुम जैसे गए ऐसे भी जाता नहीं कोई
डरता हूं कहीं खुश्क न हो जाए समुंदर
राख अपनी कभी आप बहाता नहीं कोई
इक बार तो खुद मौत भी घबरा गई होगी
यूं मौत को सीने से लगाता नहीं कोई
माना कि उजालों ने तुम्हें दाग दिए थे
बे-रात ढले शमा बुझाता नहीं कोई
साकी से गिला था तुम्हें मय-खाने से शिकवा
अब जहर से भी प्यास बुझाता नहीं कोई
हर सुब्ह हिला देता था जंजीर जमाना
क्यूं आज दिवाने को जगाता नहीं कोई
अर्थी तो उठा लेते हैं सब अश्क बहा के
नाज-ए-दिल-ए-बेताब उठाता नहीं कोई

ओमपाल सीलन,
पत्रकार एवं फिल्म समीक्षक,
वीआईएफटी, उदयपुर।

सफल जीवन की आधार शिला, सही सोचःगणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने भव्य जीवों को धर्म का सदुपदेश देते हुए कहा कि - सही सोच के अभाव में आप कहीं भी सुखद जीवन नहीं जी सकते हैं। सही सोच का होना बहुत आवश्यक है। सोच विपरीत होते ही आनंद समाप्त हो जाता है। परस्पर की मधुरता कम हो जाती है। एक-दूसरे के प्रति समर्पण के भाव का अभाव हो जाता है। सही-सोच ही सफल जीवन की आधारशिला है। सही सोच से ही परस्पर की कटुता को समाप्त किया जा सकता है। भ्रम का निवारण यदि कोई कर सकता है तो वह सम्यक सोच से ही सम्भव है। तत्पश्चात चाकसू महिला मण्डल एवं सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ के व्रती आश्रम के व्रतियों ने मिलकर पूज्य माताजी की आहारचर्या निर्विघ्न सम्पन्न कराने का सौभाग्य प्राप्त किया।

आर्ट ऑफ लिविंग युवा सशक्तिकरण एवं कौशल कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। आरयूएचएस नर्सिंग कॉलेज, प्रताप नगर में आर्ट ऑफ लिविंग युवा सशक्तिकरण एवं कौशल कार्यक्रम 20 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ संपन्न हुआ। यह नर्सिंग कैंपस में आयोजित होने वाला पहला कार्यक्रम था, कॉलेज की फैकल्टी को- ऑर्डिनेटर - श्रीमती उषा जी ने साझा किया कि छात्र 5 दिनों में हुए परिवर्तन से बहुत खुश और उत्साहित हैं। चिकित्सा पृष्ठभूमि से होने के कारण उन्होंने कार्यक्रम में सीखी गई श्वास तकनीक सुदर्शन क्रिया, प्राणायाम और ध्यान की और भी अधिक सराहना की। ऐसी तकनीकों से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका सीधा सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रतिभागियों ने साझा किया कि उनकी नींद की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, वे बेहतर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम हैं और आत्मविश्वास का स्तर बेहतर है। कार्यक्रम का लक्ष्य न केवल आंतरिक शांति बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और जुड़ाव की भावना के साथ बाहरी उत्कृष्टता और गतिशीलता है। कार्यक्रम का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक विवेक अग्रवाल तथा सुविधा मल्होत्रा ने किया। आरयूएचएस डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सोनाली शर्मा छात्रों के लिए कल्याण गतिविधियों का समन्वय करती हैं और प्रबंधन के सहयोग से कार्यक्रम छात्रों की जोरदार भागीदारी के साथ संपन्न हुआ।

वेद ज्ञान

लगन से जीवन बदल जाता है

इंग्लैंड के महान चिंतक जेम्स मूर ने इंग्लिश चैनल पार करने वाली पहली महिला तैराक के लिए बस इतना ही कहा था कि यह उनकी लगन का प्रतिफल है, अन्यथा संकल्प लेने वालों की कमी नहीं है। छोटा सा शब्द है लगन, पर जिसमें लग जाए, उसका जीवन बदल जाए। इतनी शक्ति है इसमें कि बड़े से बड़ा काम पूर्ण होने में कोई संदेह नहीं और छोटे से छोटा काम भी अपूर्ण रह जाए अगर लगन की अगन नहीं चढ़े। विद्यार्थियों को पढ़ाई की लगन लग जाए तो कभी असफलता उनकी राह में नहीं आएगी। संत पुरुषों में सच्चाई की खोज की लगन रहती है तो वैज्ञानिकों में नई-नई खोजों को पूरा करने का जुझारूपन। ईश्वर से लगन लगाने वाले लोग इतने रम जाते हैं कि कभी वे बहुत भावुक होकर रोने लगते हैं तो कभी नृत्य करने लगते हैं। मीरा को भगवान कृष्ण की भक्ति की जब लगन लग गई तो वह दीवानी बन गई। यह लगन की चरम पराकाष्ठा होती है, जिसके बाद शून्य का वृत आ जाता है। अपने परिप्रेक्ष्य में यह आत्मशक्ति और संकल्पशक्ति से जुड़ा हुआ है। इसलिए पहले छोटे और आसान संकल्पों को पूरा करने का जहमत उठाएं, उसके बाद बड़े अभियान की ओर। लक्ष्य प्राप्ति के बाद खुद की शक्ति का भी मूल्यांकन करें और खुद को शाबाशी दें। होना तो यह चाहिए कि संपूर्ण परिवार का इसमें सहयोग हो जिससे कि राह और आसान हो जाए। सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना बुनने वाले तत्वों में आत्मशक्ति का बहुत प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह आत्म शांति से जुड़ा होता है। कामनाओं की मृगतृष्णा में दौड़ता-हांफता मनुष्य एक उम्र के बाद जान जाता है कि उसकी शक्ति और हुनर किस क्षेत्र में सिद्ध हो सकती है। उस ओर ही लगन लगानी चाहिए। लगन को शौक से अलग परिभाषित किया गया है। शौक कई हो सकते हैं, पर लगन से हर शौक पूरा हो जाए, यह जरूरी नहीं। देश और समाज को क्षति पहुंचाने वाले शौक के लिए लगन लगाना देशद्रोह का सूचक है। ऐसे शौक वर्जित होते हैं। इन्हें कोई कितना भी लगन से पूरा कर ले, वह प्रशंसा का पात्र नहीं हो सकता। अच्छे लक्ष्यों और उद्देश्यों के कारण जो शौक पाले जाते हैं, वे समाज के लिए अनुकरणीय होते हैं।

संपादकीय

निरंतर बढ़ती महंगाई और घरेलू खर्च

अर्थव्यवस्था के तेज विकास और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने के दावों के बीच हकीकत यह है कि पिछले बारह-तेरह सालों में लोगों का घरेलू खर्च बढ़कर दोगुने से अधिक हो गया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के ताजा घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के मुताबिक मौजूदा कीमतों पर शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति औसत घरेलू खर्च 2011-12 के 2,630 रुपए से बढ़ कर 2022-23 में दोगुने से अधिक यानी 6,459 रुपए हो गया है। इसी तरह ग्रामीण इलाकों में यह 1,430 रुपए से बढ़कर 3,773 रुपए हो गया है। इसमें यह भी जाहिर हुआ है कि गैर-खाद्य वस्तुओं पर खर्च बढ़ा है, जबकि खाद्यान्न पर खर्च पहले की तुलना में कम हुआ है। फलों, सब्जियों, दूध, मछली, खाद्य तेल आदि पर खर्च बढ़ा है। इसी तरह शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, वस्त्र और दूसरी जरूरी उपभोक्ता वस्तुओं पर खर्च बढ़ा है। इसकी एक वजह तो यह बताई जा रही है कि कोविड के समय शहरों से गांवों की तरफ लौटे लोगों के कृषि क्षेत्र में समाहित हो जाने से उस क्षेत्र का औसत उपभोग खर्च बढ़ा है। मगर यही तर्क शहरी खर्च बढ़ने पर लागू नहीं होता। यह तब है, जब सरकार लगातार महंगाई पर काबू पाने का प्रयास कर रही है। इन आंकड़ों के समांतर दावा यह भी है कि गरीबी में पांच फीसद की कमी आई है। बहुआयामी गरीबी से करीब तेईस करोड़ लोगों के बाहर निकलने का आंकड़ा भी कुछ दिनों पहले चर्चा में था। इन सबके बीच एक तथ्य यह भी है कि प्रति व्यक्ति आय में कोई उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति मासिक आय भी लगभग उतनी ही है, जितना प्रति व्यक्ति मासिक खर्च है। मगर इससे प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति खर्च का समीकरण संतुलित नहीं होता। ज्यादातर परिवारों में एक ही व्यक्ति कमाने वाला होता है, जबकि उस पर निर्भर औसतन तीन लोग होते हैं। इन्हीं आंकड़ों के बीच सरकार का दावा है कि वह बयासी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराती है। यानी प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू व्यय के औसत में इस आबादी का हिस्सा भी शामिल है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि यह सर्वेक्षण ग्यारह सालों बाद आया है, इसलिए इसमें प्रति व्यक्ति खर्च ऊंचे स्तर पर नजर आ रहा है। महंगाई और प्रति व्यक्ति खर्च बढ़ना एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था की निशानी माना जाता है। मगर इसके साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय में भी समतुल्य बढ़ोतरी दर्ज होना आवश्यक है। विचित्र है कि प्रति व्यक्ति आय उस अनुपात में नहीं बढ़ रही है, जिस अनुपात में महंगाई और घरेलू खर्च बढ़ रहा है। इसकी बड़ी वजह रोजगार के नए अवसर सृजित न हो पाना और कोविड के दौरान बाहर हुए लोगों का वापस रोजगार में न लौट पाना है। जो लोग कृषि क्षेत्र में समाहित हो गए हैं, उन्हें भी दैनिक मजदूरी उपलब्ध नहीं हो पाती। कृषि क्षेत्र खुद कई संकटों से गुजर रहा है। मौसम की मार से फसलों के बर्बाद होने और लागत के अनुपात में फसलों की वाजिब कीमत न मिल पाने की वजह से इस क्षेत्र में मजदूरी घटी है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

इंटरनेट पर अंकुश

22 फरवरी को एक्स (ट्विटर) ने घोषणा की कि उसने दिल्ली में चल रहे किसानों के विरोध-प्रदर्शन से जुड़े कई सोशल मीडिया अकाउंट हटा दिए हैं। साथ ही उसने बताया कि यह कार्रवाई भारत सरकार द्वारा जारी कार्यकारी आदेशों के कारण की गई थी, जिसमें इन खातों को निलंबित करने और आदेश न मानने की स्थिति में भारी जुमार्ने और कारावास की धमकी दी गई थी। यह पहली बार नहीं है, जब सरकार ने ऐसी सोशल मीडिया सामग्री पर रोक लगाई है, जिसे वह देश-विरोधी मानती है। उसने इस प्रकार के आदेश एक्स ही नहीं, फेसबुक और गूगल जैसे अन्य सोशल मीडिया दिग्गजों को भी जारी किए हैं। एलन मस्क के स्वामित्व वाला प्लेटफॉर्म एक्स पहले ही सरकार के आदेशों की आलोचना कर चुका है। उसने इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर बंदिश बताया है। जहां सरकार के आदेश की कानूनी वैधता का निर्णय तो अदालतों में ही किया जाएगा, फिर भी कुछ बातें याद रखी जानी चाहिए। पहली यह कि इंटरनेट तक खुली पहुंच और बिना किसी डर-अंदेशे के अपनी राय व्यक्त करने की क्षमता लोकतंत्र की प्रमुख आधारशिला है। इंटरनेट की परिकल्पना ही एक अति-लोकतांत्रिक और अभूतपूर्व मंच के रूप में की गई थी, जो कई अन्य चीजों के साथ-साथ विचारों के आदान-प्रदान की भी सुविधा देता है। साथ ही, यह भी सच है कि सोशल मीडिया कंपनियों को उनकी खामियों के लिए जवाबदेह बनाने के लिए बहुत काम करने की जरूरत है। दरअसल, उनके द्वारा उपभोक्ताओं के डेटा की हैंडलिंग, बड़े पैमाने पर गलत सूचना देने और नफरत फैलाने वाले कंटेंट को बढ़ावा देने के आरोप लगे हैं, जिनकी दुनिया भर में आलोचना हुई है। साथ ही, उन्हें भारत सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इन सभी पहलुओं पर कानूनी जांच का भी सामना करना पड़ता है और यह उचित भी है लेकिन यह याद रखना भी महत्वपूर्ण है कि एक्स, गूगल और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म से भारतीय ग्राहकों के उपभोक्ता-डेटा की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास करने की मांग करना और उन्हें ऐसे कंटेंट हटाने का आदेश देना जिसमें भारत सरकार की आलोचना की गई हो, इन दोनों में अंतर है। अगर सोशल मीडिया पर कुछ नेताओं या सरकार की नीतियों की आलोचना की जाती है तो इसे भारत-विरोधी नहीं मान लेना चाहिए। यह सच है कि सोशल मीडिया के साथ बहुत सारी समस्याएं हैं, लेकिन इसके बावजूद यह फ्री-स्पीच और निडर होकर अपने विचार रखने का एक माध्यम है। इन अधिकारों की रक्षा भारतीय संविधान के तहत की जाती है और सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह बनाना एक संवैधानिक कर्तव्य भी है। इंटरनेट पर असहमतियों पर अंकुश लगाना जहां अलोकतांत्रिक है, वहीं यह व्यवसाय के लिए भी बुरा है। कंटेंट की सेंसरशिप के जरिए ऑनलाइन फ्री-स्पीच पर रोक लगाने के अलावा भारत की केंद्र और राज्य सरकारें दुनिया के किसी भी दूसरे देश की तुलना में सबसे अधिक इंटरनेट-शटडाउन करती हैं। माना कि गूगल, एक्स और मेटा के लिए भारत एक विशाल बाजार है, लेकिन एक दिन उनका धैर्य भी चुक सकता है। चीन का ही उदाहरण लें। वह दुनिया में इंटरनेट पर सबसे कड़ा नियंत्रण लगाने वाले देशों में से एक है। लेकिन सूचना पर अंकुश और बोलने की आजादी पर लगाम के कारण ही गूगल और मेटा वहां काम नहीं करते हैं।

जैन बैंकर्स फोरम जयपुर द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विनयांजलि सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाज की लगभग सभी छोटी - बड़ी संस्थाओं में जैन बैंकर्स का प्रतिनिधित्व है, विनियांजलि में सभी संस्थाओं का एवं दूरस्थ रहने वाले इच्छुक साथियों का प्रतिनिधित्व बनाए रखने की भावना से जूम मीट का आयोजन किया गया । विनयांजलि सभा की शुरूआत सुखानन्द काला चंदलाई वाले द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई । श्रीमती गुणमाला काला द्वारा आचार्य वंदना प्रस्तुत की गई एवं कार्यक्रम को आगे बढ़ाया । कार्यक्रम में सर्वप्रथम जैन बैंकर फोरम के राष्ट्रीय संरक्षक आर सी लोढ़ा, पूर्व कार्यकारी निदेशक द्वारा विनयांजलि प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात अशोक जैन पूर्व महाप्रबंधक यूबीआई, जे के जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष, के के जैन, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, अरुण जैन पूर्व महाप्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया, ज्ञानेंद्र जैन पूर्व चेयरमैन आरएमजीबी, सुनील जैन सीएफओ इंडियन बैंक, सोम प्रकाश जैन महा मंत्री, सुभाष चंद्र जैन, महेंद्र सोगानी, नवीन गंगवाल, जे बी जैन आगरा, वीरेंद्र प्रधान, सुनील बज, राजेंद्र कुमार जैन, सुनील काला मंत्री, पदम बिलाला कार्याध्यक्ष, भागचंद जैन मित्रपुरा अध्यक्ष ने अपनी भावभीनी विनयांजलि प्रस्तुत की । मानव जीवन मुश्किल से मिलता है । जन्म लेंगे, बड़े होंगे, वृद्ध होने एवम इस संसार से चले जाएंगे । जीवन को व्यर्थ गंवाने की बजाय इस भव में एवं अगले भव में भी सद्गति प्राप्ति हेतु तप त्याग साधना आदि धर्म मार्ग द्वारा कर्म निर्जरा कर इस मोह माया रूपी संसार से मुक्ति प्राप्त कर सकते है । एक नवीं तक पढ़ाई के बाद भौतिक शिक्षा को धत्ता बताकर विद्याधर नाम के व्यक्ति द्वारा कई भाषाओं का ज्ञान, कई शास्त्रों का अध्ययन, कई धर्मग्रंथों, महाकाव्यों की रचना और उन पर पीएचडी करवाया जाना अनुभूत करता है कि लौकिक शिक्षा से सीमित ज्ञान ही प्राप्त किया जा सकता है । आगे बढ़ने के लिए, मोक्ष मार्ग अपनाने के लिए समर्पण के साथ धर्म मार्ग पर जाना होगा । आहार की आवश्यकता केवल जीवन जीने के लिए होती है आदि मार्ग समाधिस्थ आचार्य ने अपनी क्रियाओं से बताया । उन्होंने अपने शरीर को एक प्रयोगशाला के रूप में उपयोग किया ।उनका सम्पूर्ण जीवन एक आदर्श जीवन शैली है । सभी को उनके द्वारा अपनाए मार्ग पर ही चलना चाहिए। इस तरह के विचार विनयांजलि सभा में प्रस्तुत किए गए। आर के जैन कोटा, हिमांशु कोठारी, विमल कुमार जैन टोंक, राजेंद्र पापड़ीवाल आदि अन्य जैन बैंकर्स ने जूम मीट में भाग लिया। जूम मीट का संचालन भागचंद जैन मित्रपुरा ने किया। जूम मीटिंग का आयोजन एवम्तकनीकी सहयोग मुकेश पांड्या द्वारा किया गया ।

मैं और मेरा मन

आज फिर से मैंने अपनी कलम उठाई है..न जाने क्यों मन में उठा गुबार बार-बार यही समझना चाहता है कि मैं कल भी अपने सफर में थी और मैं आज भी अपना सफर हंसते मुस्कुराते तय कर रही हूं। फर्क जिंदगी ने बस इतना समझा दिया है कि कल तक मैं लोगों की तलाश में थी, आज सिर्फ अपने आप को तलाश कर रही हूं। मेरा वर्तमान कल भूत हो जाएगा भूत ना हुआ तो अवधूत हो जाएगा... मुझे लगता है आज सिर्फ मैं नहीं मुझे जैसी हर नारी के मन की व्यथा कुछ ऐसी ही होगी। फर्क सिर्फ इतना है मैं व्यक्त कर रही हूं कुछ मन में दबा रही है। क्यों होता है यह बचपन से पचपन का सफर इतना अलग क्यों बेफिक्री से फिक्र करना सीख जाते हैं हम... मैंने मेरी संस्कृति, सभ्यता को समझा, लोगों को जाना, लोगों को परखा, मां-बाप का हौसला और अभिमान बनी, कल तक मैं उनकी पहचान से थी, आज मैं उनकी पहचान से खुद को बना पाई.....कल तक मुझे उन्होंने उंगली पड़कर चलाया, आज मैं उनका हाथ थामे हूं...आज की आधुनिकता में उनका भरोसा बनी हुई हूं, मैंने यही जाना मेरे परिवार से ही मेरी जिंदगी है और इस जिंदगी को, मेरे परिवार को, मैं बार-बार गले लगाना चाहती हूं। यह मैं समझती तो थी कि परिवर्तन संसार का नियम, लेकिन कुछ बातें समझ में तभी आती हैं जब वह हमें अपने साथ उस दौर में लेकर जाती हैं। मैंने सफर का एक पड़ाव पार कर लिया है, अब यह बचपन वयस्क हो गया है लोगों की नजरों में, लेकिन मेरा दिल जानता है और यही कहता है, मैं यह बचपन उम्र के हर पड़ाव पर जीना चाहती हूं... अपनों का साथ चाहती हूं। इस सफर के दूसरे पड़ाव में मुझे एक हमसफर मिला, जिंदगी कुछ अलग सी लगने लगी, कुछ नए रिश्ते, नया घर, नई भावनाएं मन में आई, जिंदगी यूं ही खूबसूरत लगने लगी। मेरी ख्वाहिशें कभी दबी, कभी पूरी हुई.... मेरे सपने कभी खोए, कभी पाए, कभी चेहरे पर मुस्कुराहट रही, कभी दर्द भरे लम्हात थे, कभी नासमझे इशारे तो कभी मद्धम बरसात थी। मेरी राहों में उलझनें थीं तो साथ ही उनसे निकलने की कोशिशें भी....कभी मैं मझधार में भी गई तो कभी कहीं किनारा भी मिला। मैं और मेरा मन....अंत में यही कहता है 'मैं कोमल हूं पर कमजोर कहीं नहीं, कभी नहीं...! - **वैशाली मुदगल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियर, उदयपुर**

दीप जलाकर आचार्य विद्यासागर जी को दी श्रद्धांजलि

भक्तांबर दीप महाअर्चना का हो रहा है प्रतिदिन आयोजन

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

युग दृष्टा, ब्रह्मांड के देवता, संत शिरोमणि दिगंबर जैन आचार्य 108 विद्यासागर जी महाराज के 18 फरवरी रविवार को हुए समाधि मरण के बाद गत दिवस रविवार को दिगंबर जैन मंदिर नसियां जी में सैकड़ो श्रृध्दालुओ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की छायाचित्र के समक्ष विनयांजलि स्वरूप दीप जलाए। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष प्रवीण जैन गंगवाल ने बताया कि पूरे देश में रविवार को आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए विनयांजली कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में गंगापुर सिटी दिगंबर जैन मंदिर रसिया जी में 11 फरवरी से लगातार भक्तांबर दीप महा अर्चना का आयोजन हो रहा है।अब जैन श्रद्धालु आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की भव्यआत्मा को शीघ्र सिद्ध पद प्राप्त हो की कामना के लिए दिगंबर जैन मंदिर नसियां जी में प्रतिदिन 48 दीपों से रिद्धि सिद्धि मित्रों के साथ भक्तांबर दीप महा अर्चना का आयोजन कर रहे है। कार्यक्रम के संयोजक के के जैन एवं नरेंद्र जैन नृपत्या ने बताया कि आचार्य मानतुंग द्वारा संस्कृत लिखित भक्तामर स्त्रोत के 48 काव्यो के संस्कृत में उच्चारण के बाद रिद्धि सिद्धि मित्रों के साथ जिनेंद्र भगवान के समक्ष एक-एक करके श्रद्धालुओं द्वारा 48 दीपक जलाकर संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के प्रति श्रद्धालु अपनी विन्यांजलि दे रहे हैं साथ ही जिनेंद्र भगवान से आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की आत्मा को जल्दी से जल्दी सिद्धालय में सिद्ध पद प्राप्त हो की कामना के लिये प्रार्थना कर रहे हैं। भक्तामर दीप महार्चना के आयोजन में जैन धर्मावलंबी बढकर भाग ले रहे हैं। गत दिवस रविवार को भक्तांबर दीप महाअर्चना के लाभार्थी परिवार नितिन निकिता जैन लुहडिया ने इस कार्यक्रम की आचार्य श्री की छाया चित्र के समक्ष दीप जलाकर विधिवत शुरूआत की। इस अबसर पर दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष प्रवीण जैन गंगवाल देवेंद्र जैन पांड्या सुमेर जैन ज्ञानेंद्र जैन नरेंद्र जैन नृपत्या के के जैन निलेश जैन देवेंद्र जैन, डा पीसी सेठी ,राजेंद्र गंगवाल मनोज जैन माया जैन मंगल जैन मनीष, भक्ति, अनुराग जैन रमेश जैन सोनी अनिल कुमार जैन रेलवे अधिकारी पंकज जैन पांड्या रुचि जैन मनोज जैन मनीष जैन योगेंद्र जैन मोहनलाल जैन नीता जैन भावना जैन जैन मधु पांड्या प्रिया जैन चारुल जैन शशि सोनी रेखा पांड्या प्रीति सोनी नीरा गंगवाल वीरेंद्र जैन मंगल जैन प्रेमचंद जैन महेंद्र जैन वर्धमान स्कूल सुभाष सौगानी त्रिशला सोगानी राजेन्द्र गंगवाल पारस जैन विनोद जैन हार्दिक पांड्या मोनिका जैन सहित दर्जनों जैन बंधु उपस्थित थे।

आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के ब्रह्मलीन समाधि होने पर सर्व धर्म विनयांजलि सभा आयोजित

कोडरमा, झारखण्ड. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन समाज के द्वारा जैन विद्यालय पानी टंकी रोड में जगतगुरु जैन धर्म के सर्वोच्च साधु संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के ब्रह्मलीन समाधि होने पर सर्व धर्म विनयांजलि सभा आयोजित की गई मोके पर समाज के उप मंत्री नरेंद्र जैन झांझरी ने जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके बताए गए मार्ग पर चलने की बात कही ।कार्यक्रम का संचालन सुनील जैन छाबडा ने किया और महामुनिराज गुरुदेव आचार्य विद्यासागर जी के आदर्शों को आत्मसात करने की बात कही ।इस मौके पर आचार्य भगवन के चरणों में विशिष्ट अतिथि एवं समाज के पदाधिकारी ने दीप प्रज्वलित किया श्रीफल चढ़ाया । श्रद्धांजलि सभा में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ,विधायक डॉ नीरा यादव, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव,पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता कांग्रेस के प्रदेश सचिव मनोज कुमार सहाय,जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान, जिले के सभी धर्म समाज के अध्यक्ष मंत्री सामाजिक संस्था के पदाधिकारी शामिल हुए। सांसद अन्नपूर्णा देवी ने अपने संबोधन में कहा कि आचार्य विद्यासागर ने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण राष्ट्रीय कल्याण में लगाया। उनकी समाधि का होना पूरे राष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है उन्होंने हमेशा भारतीय संस्कृति को जीवंत बनाए रखने के लिए कार्य किया। समाजसेवी सुरेश जैन झाझंरी के द्वारा आचार्य विद्यासागर को पूरे भारतवर्ष विश्व भर के जैन समाज के द्वारा भारत रत्न की उपाधि से अलंकृत किए जाने की बात कही गई इस पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद मोदी से जैन समाज की इस मांग को रखेगी। विधायक डॉ नीरा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि आचार्य गुरुवर जन जन के सभी धर्म के आराध्य थे उनके अहिंसा आदर्श को पालन करके ही हम उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं ।जिप अध्यक्ष रामधन यादव ने कहा की जैन गुरु आचार्य विद्यासागर के प्रति सभी धर्म संप्रदाय के लोग समर्पित है। पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने कहा कि आचार्य गुरुवर के बारे में बोलना सूरज को दीपक दिखाने के समान है। वह इस धरती के देवता थे मैं उनके प्रति अपनी सच्ची श्रद्धा सुमन अर्पित करती हूं। वार्ड पार्षद पिंकी जैन,आशा गंगवाल ,संगीता शर्मा,अजय अग्रवाल, जगदीश सलूजा, यशपाल सिंह ,कांग्रेस नेता मनोज कुमार सहाय, श्याम सुंदर सिंघानिया, ललित सेठी ,राज छाबड़ा, सुबोध जैन, नवीन पांडय समेत कई समाजसेवी लोगों ने भी अपने संबोधन के द्वारा गुरु के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की आचार्य श्री के जीवन पर ओर अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी मुनिराज के द्वारा विनयांजलि के ऊपर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई ।कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक मंच संचालन कर्ता सुनील जैन छाबड़ा ,मनीष जैन सेठी, दिलीप जैन ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया ।जैन महिला समाज की अध्यक्ष नीलम सेठी ने गुरु वंदना के द्वारा अपने श्रद्धा सुमन अर्पित की। धन्यवाद ज्ञापन समाज के मनीष जैन सेठी ने किया। इस मौके पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान नारायण बरनवाल,भाजपा के रमेश सिंह, जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, मोदी समाज के सूर्य देव मोदी,पंकज बर्णवाल, हिमांशु केडिया, अरविंद चौधरी, अविनाश सेठ, गोपी अग्रवाल, अरुण ओझा अमित कुमार, नवीन आर्य, जय कुमार जैन गंगवाल, सुशील जैन छाबड़ा, प्रदीप जैन छाबड़ा, पदम जैन सेठी, सुरेंद्र जैन काला ,जैन समाज के पूर्व मंत्रीललित सेठी सुशील छाबड़ा समाज के मीडिया प्रभारी नवीन जैन राजकुमार अजमेरा आदि लोग उपस्थित थे।

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 12 का 25वां रजत जयन्ती क्षेत्रीय वार्षिक अधिवेशन संपन्न

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

चम्बल नवराष्ट्र भारतीय जैन मिलन के क्षेत्र क्रमांक 12, के 25 वें रजत जयन्ती क्षेत्रीय अधिवेशन का शुभारंभ अशोकनगर में, क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर नरेश चंद जैन ने गुना , देवास, भोपाल, रुठियाई, आरोन, अशोकनगर, मुंगावली, चंदेरी, गंज बासौदा, आदि शहरों की लगभग 30 शाखाओं के 300 प्रतिनिधियों की भव्य उपस्थिति में ध्वजारोहण करके किया। इस अवसर पर महिला जैन मिलन अशोकनगर की वीरांगनाओं ने बैंड की सुंदर प्रस्तुति की। इसी समय राष्ट्रीय अध्यक्ष अतिवीर विजय जैन गुना को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राकेश जैन कांसल, अध्यक्ष जैन पंचायत अशोकनगर, राष्ट्रीय महामंत्रीद्वय अतिवीर अजय जैन सहारनपुर, अतिवीर मनोज जैन मुजफ्फरनगर एवं कार्यकारी अध्यक्ष उत्तर अतिवीर महेंद्र जैन ग्वालियर , को क्षेत्रीय अध्यक्ष- मंत्री द्वारा सभी शाखाओं से परिचित कराया गया। इस अवसर पर सुंदर ड्रेस एवं किए गए कार्यों के बैनर का अवलोकन भी किया। दिव्य घोष के साथ सभी अतिथियों को सभागार में ले जाया गया। सर्वप्रथम मंच उदघाटन वीर संजीव जैन, शशांक जैन सचि परिधान ने किया। आचार्य श्री विद्यासागर जी के चित्र का अनावरण वीर प्रवीण जैन (नेशनल)- वीरांगना किरण जैन एवं दीप प्रज्वलन केवलचंद सचिन कुमार सुयोग जैन अनुकल्प जैन भूसा वालों ने अतिथियों के साथ किया। महावीर प्रार्थना एवं मंगलाचरण वीरांगना किरण जैन वीनू जैन ने किया तथा नमोकर मंत्र है प्यारा गीत पर अनन्या जैन ने सुन्दर नृत्य प्रस्तुति दी। शाखा की ओर से सुयोग जैन मुख्य अधिवेशन संयोजक एवम् अन्य वीर वीरांगनाओं द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि शाखाओ को कार्य करते समय सभी सदस्यों का समान रूप से सम्मान करना चाहिए तथा भगवान महावीर के 2550 वे निर्वाण वर्ष में शाखाएं लगातार कार्यक्रम आयोजित करें। क्षेत्रीय मंत्री पी के जैन द्वारा क्षेत्रीय वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, इस अवसर पर क्षेत्र द्वारा प्रकाशित क्षेत्रीय संपर्क निर्देशिका ''दर्पण'', मोबाइल डायरेक्टरी का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। पत्रिका में क्षेत्र की 60 शाखाओं के लगभग 1200 सदस्यों के मोबाइल नंबर के साथ अति आवश्यक जानकारी दी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अतिवीर विजय जैन ने अपने उद्बोधन में भारतीय जैन मिलन द्वारा देश भर में किया जा रहे कार्यों के बारे में कहा कि शाखाएं लगातार सेवा कार्य कर रही हैं तथा शाखाओं को नए युवा सदस्यों को जोड़ना चाहिए। उन्होंने आव्हान किया कि आगामी वर्ष में शाखाओं में 25% की तथा सदस्यों में 30% की वृद्धि की जाना चाहिए। अधिवेशन के मुख्य अतिथि राकेश जैन कांसल ने, जैन मिलन द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज के युवाओं को संस्कृति, धर्म और सेवा से जोड़ना अति आवश्यक है, जैन मिलन को यह दायित्व निभाना चाहिए। अशोकनगर में लाइफ लाइन माने जाने वाले वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर डीके जैन द्वारा दी गई सेवाओं के लिए उन्हें समारोह में क्षेत्र द्वारा सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री प्रशासन अतिवीर अजय जैन सहारनपुर ने कहा कि जैन मिलन में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है तथा महिलाएं स्वतंत्र रूप से सेवा कार्य कर रही हैं। 2550 वे निर्वाण वर्ष में हमें जैन धर्म की छोटी-छोटी बातें जन सामान्य को बताना चाहिए जैसे कि हमारे साधुओं की चर्या क्या हैं,कैसी हैं एवं क्यों हैं, इसका प्रचार करना है। राष्ट्रीय महामंत्री संगठन मनोज जैन मुजफ्फरनगर ने कहा कि क्षेत्र संख्या 12 का सफर शानदार रहा है, भारतीय जैन मिलन फाउंडेशन के ट्रस्टी बनकर आप स्वयं को , आजीवन मानव सेवा कार्य से जोड़ सकते हैं, इस अवसर पर क्षेत्र से सात नए ट्रस्टी बनाए गए , जिन्होंने 31- 31 हजार रुपए की राशि जैन मिलन फाउंडेशन में जमा करके ट्रस्टी बनने का संकल्प लिया। ग्वालियर से पधारे राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र जैन टोंग्या ने क्षेत्र द्वारा प्रकाशित पत्रिका दर्पण की सराहना करते हुए इसे पूरे भारतीय जैन मिलन में पहली पत्रिका बताया, जो पूरे क्षेत्र के सदस्यों को एक परिवार के रूप में जोड़ती है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरांगना शीला जैन ग्वालियर द्वारा अशोकनगर महिला जैन मिलन की सुंदर बैंड प्रस्तुति की सराहना की तथा जैन मिलन महिला गुना की वीरांगनाओं की आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के हथकरघा के साथ अनेक प्रोजेक्ट की प्रस्तुति को अति सुंदर एवं सराहनीय बताया। अधिवेशन को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर विनय जैन,एवम्-अतिवीर सुभाष जैन कैची बीड़ी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर थूबोन जी अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक जैन ,मंत्री श्री विपिन जैन सिंघई,जैन पंचायत के महामंत्री राकेश जैन अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील जैन अखाई,विजय जैन धुर्रा, राकेश जैन , सुनील जैन बजाज , सोनू जैन गौ सेवक, वीरांगना विनीता निर्मल जैन, वीरांगना शोभा सिंघई, शकुंतला जैन देवास आदि को उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए क्षेत्र क्रमांक 12 द्वारा सम्मानित किया गया।

वात्सल्य सेवा समिति की सदस्यों ने आचार्यश्री को अर्पित की श्रद्धा सुमन विनयांजलि

आगरा. शाबाश इंडिया

26 फरवरी को वात्सल्य सेवा समिति के तत्वावधान में सुनीता जैन के निवास स्थान विजय विहार कॉलोनी अलबतिया शाहगंज में संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की भाव विहीन विनयांजलि सभा को आयोजित की गई । सर्वप्रथम आचार्यश्री की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। तत्पश्चात सभी सदस्यों ने बारी-बारी से तस्वीर के सम्मुख पुष्प अर्पित कर भक्ति भाव में अश्रुपूर्ण नेत्रों से नमन किया और सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि आपने मानवता के उत्थान एवं प्राणी मात्र की रक्षा हेतु जो अपना पूरा जीवन बिता दिया और व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। इस मौके पर अध्यक्ष रश्मि जैन ,मंत्री करुणा जैन, कोषाध्यक्ष कविता जैन ,उपासना जैन, निशा जैन ,रतिभा जैन, रिंकी जैन डिंकी जैन ,रेनू जैन ,बबली जैन, रीता जैन ,मोना जैन, रचना जैन, पुष्पा जैन आदि उपस्थित रही।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन शिक्षक सामाजिक समूह ने आयोजित की विनयांजलि सभा

भारतीय संस्कृति के संवाहक थे आचार्य प्रवर विद्यासागर महाराज। आचार्य श्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर हुईं 56 से अधिक पीएचडी, 108 दीप प्रज्वलित कर दी विनयांजलि

ललितपुर. शाबाश इंडिया

जैन शिक्षक सामाजिक समूह ललितपुर के तत्वावधान में अभिनंदनोदय तीर्थ क्षेत्र के मुख्य गेट के बाहर आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के समाधिमरण पर विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान दिगम्बर जैन पंचायत समिति के महामंत्री आकाश जैन ने अपनी विनयांजलि में कहा कि आचार्यश्री जैन समाज ही नहीं जन-जन के संत थे। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विनोद निरंजन ने कहा कि आचार्यश्री सचमुच में राष्ट्र संत थे। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के कोषाध्यक्ष अनिल त्रिपाठी ने आचार्यश्री के योगदान को अविस्मरणीय बताया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई बार के अध्यक्ष ब्रजेश चौरसिया ने कहा कि वर्ष 2018 में आचार्यश्री के ललितपुर में दर्शन किए उनकी मनमोहक छवि को देखकर ऐसे लगा कि मैंने साक्षात ईश्वर के दर्शन कर लिए हों। जैन शिक्षक सामाजिक समूह के अध्यक्ष जितेंद्र जैन ने कहा कि आचार्यश्री के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके बताये हुए मार्ग पर चलें तभी हमारी आचार्य श्री के लिए सच्ची विनयांजलि होगी। संरक्षक सत्येंद्र जैन गदयाना ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि इस युग में आचार्यश्री का जन्म हुआ। जैन पंचायत के शिक्षामंत्री प्रफुल्ल जैन ने कहा कि गुरुवर चलते-फिरते तीर्थ थे। उन्होंने 507 दीक्षाएं प्रदान कीं।वर्णी कालेज के प्रवक्ता डां. विवेक जैन ने कहा कि आचार्यश्री त्याग, तपस्या,साधना की प्रतिमूर्ति थे। सचिन शास्त्री ने कहा कि आचार्य श्री के दिखाए गए रास्ते पर चलने का संकल्प लें। प्रवक्ता राहुल जैन ने कहा कि आचार्यश्री ने अपने संपूर्ण जीवन से यह सिखाया कि जीवन को कैसे जीना चाहिए। डॉ. राजेश शास्त्री ने कहा कि संत शिरोमणि आचार्य भगवन विद्यासागर महाराज व्यापक दृष्टि के चिन्तक थे। शीलचंद्र जैन शास्त्री ने कविता के द्वारा विनयांजलि व्यक्त की। मृत्युमहोत्सव है गुरुवर का,नहीं शोक के पल बने हैं लौकान्तिक देव ,स्वर्ग में होती है हलचल। विनीत जैन शास्त्री ने कहा कि आचार्य श्री चलते-फिरते विश्वविद्यालय थे। मंत्री डॉ. सुनील संचय ने कहा कि बेमिशाल, अद्भुत विराट व्यक्तित्व एवं कृतित्व के धनी थे आचार्यश्री उनके जीवन पर 56 से अधिक पीएचडी हुई हैं। राजीव जैन बजाज ने कहा कि गुरुवर भारतीय संस्कृति के संवाहक थे। रागिनी जैन ने कहा कि आचार्यश्री ने इंडिया नहीं भारत बोलने का आह्वान किया था। इंद्रा जैन ने कहा कि स्वदेशी की भावना आचार्यश्री ने जाग्रत की थी। विनयांजलि सभा का संचालन डॉ. सुनील संचय ने किया तथा आभार अध्यक्ष जितेन्द्र जैन राजू ने व्यक्त किया। विनयांजलि सभा का शुभारंभ दिगम्बर जैन पंचायत समिति के महामंत्री आकाश जैन,मंत्री कैप्टन राजकुमार जैन,संयोजक सनत जैन खजुरिया व उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ललितपुर के जिलाध्यक्ष विनोद निरंजन, कोषाध्यक्ष अनिल त्रिपाठी,ब्लॉक बार अध्यक्ष ब्रजेश चौरसिया, संतोष वर्मा,हरिश्चंद्र नामदेव,जैन शिक्षक सामाजिक समूह के अध्यक्ष जितेंद्र जैन, संरक्षक देवेंद्र जैन,अजय जैन पत्रकार,संयोजक अंतिम जैन ने संयुक्त रूप से आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। तत्पश्चात जैन शिक्षक सामाजिक समूह के सदस्यों ने 108 दीप जलाकर व नौ बार णमोकार महामंत्र का जाप करके आचार्यश्री को विनयांजलि अर्पित की।इस मौके पर जैन पंचायत के अध्यक्ष डॉ. अक्षय टडैया, अभिनंदनोदय तीर्थ क्षेत्र प्रबंधक मोदी पंकज जैन, देवेंद्र जैन, डां.विवेक जैन,सत्येंद्र जैन गदयाना,शीलचंद्र शास्त्री,अमित जैन,अंतिम जैन,राहुल जैन,पुष्पेंद्र जैन,राजीव बजाज, अंकित मोदी, अमित सिंघई,प्रदुम्न जैन,दीपक सिंघई, राजीव जैन मडावरा, अमित जैन,दीपक जैन डोंगरा, प्रफुल्ल जैन,सुरेंद्र जैन,राहुल जैन,अपूर्व जैन,नितिन जैन, विनीत जैन,रीतेश जैन,अमन जैन,संजय जैन,सौरभ जैन,प्रतीक जैन चिगलौआ,ब्रह्मचारिणी सुरभि दीदी,नीलू दीदी,सविता दीदी,रागनी जैन,इंद्रा जैन,सीमा जैन गदयाना, प्रतिभा जैन,सीमा जैन,पूजा जैन, नेहा जैन, श्रुति नायक, रिया जैन, निशिता जैन, सौम्या जैन,नैनसी लोहिया, ममता जैन,रीता जैन,पूजा जैन,नेहा जैन,गरिमा जैन,स्नेहिल जैन, प्रतीक्षा लोहिया,अलका चौधरी, प्रियंका मनया,मोनिका जैन के अलावा आचार्य श्री विद्यासागर पाठशाला के बच्चे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भव्य शोभायात्रा से निकला अयोध्या जैन तीर्थ प्रभावना रथ एवं आचार्य विद्यासागर विनयांजलि रथ

भगवान का पालना झुलाते की लगी होड़, जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं आरती से किया स्वागत

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभनाथ जी सहित पांच तीर्थंकरों अजीतनाथ जी, अभिनंदननाथ जी, सुमतिनाथ जी, अनन्तनाथ जी की जन्म भूमि शाश्वत तीर्थ अयोध्या से गणिनी प्रमुख आर्यिका शिरोमणि ज्ञानमती माताजी के मंगल आशीर्वाद एवं पावन प्रेरणा से सम्पूर्ण राजस्थान के लिए प्रवर्तित अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ एवं संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महामुनिराज के विनयांजलि रथ का सकल दिगम्बर जैन समाज सीकर द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मंगलवार प्रातः स्थानीय जैन भवन में सकल जैन समाज की धर्म प्रभावना सभा का आयोजन किया गया जिसमें तीर्थ क्षेत्र अयोध्या से प्रवर्तित रथ का नेतृत्व कर रहे दिगम्बर जैन त्रिलोक तीर्थ शोध संस्थान जम्बूद्वीप हस्तिनापुर के प्रतिष्ठाचार्य अकलंक कुमार जैन लखनऊ एवं अयोध्या से पधारे हुए व्यक्तियों का जैन समाज के महेश बाकलीवाल, शशि दीवान, संजय संगही,पवन छाबड़ा,विमल झांझरी,डॉ.प्रदीप जैन,किशोर संगही,विनोद जयपुरिया,अभिनव सेठी,विनोद संगही,गजेंद्र ठोलिया गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मान किया गया। इस दौरान पंडित अकलंक जैन ने शाश्वत तीर्थ अयोध्या में चल रहे विकास कार्यों एवं तीर्थ के शाश्वत होने की महिमा की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कैलाश जयपुरिया द्वारा किया गया। इसके बाद बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया जिसमें भगवान के रथ में सौधर्म इंद्र एवं कुबेर इंद्र बनने का सौभाग्य बाबूलाल, प्रदीप कुमार, मनोज कुमार,अभिनव कुमार,अंशुल कुमार बाकलीवाल रामगढ़ वाले परिवार सीकर को मिला। भगवान का सर्वप्रथम पालना झुलाने का सौभाग्य विमल कुमार मोहित कुमार झांझरी परिवार रेटा वाले को मिला।भगवान को आरती का सौभाग्य नया मंदिर महिला समाज को प्राप्त हुआ। सभी सौभाग्यशाली परिवारों का अखिल भारतीय युवा परिषद के सदस्य नवीन कासलीवाल,प्रियंक गांगवाल, अनिल दीवान, नीरज दीवान, जुगल काला, नवरत्न छाबड़ा, मोनू जयपुरिया द्वारा अभिवादन किया गया।

नेत्र शिविर महान पारमार्थिक कार्य: श्रृजाम्या सिंह

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। रानी साहिबा स्वर्गीय श्रीमती आशा सिंह की दसवीं पुण्यतिथि पर राघौगढ़ नगर में 53 वां निशुल्क नेत्र शिविर आज 27 फरवरी को जैन मिलन राघौगढ़, प्रगति मानव सेवा संस्थान राघौगढ़, ट्रक यूनियन विजयपुर, लायंस नेत्र चिकित्सालय गुना अनुमेष किरण सेवा न्यास इंदौर के सौजन्य से समारोह पूर्वक प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि विधायक जयवर्धन सिंह की धर्म पत्नी श्रीमती श्रृजाम्या सिंह ने कहा नेत्र शिविर का आयोजन पारमार्थिक कार्य है। जिन मरीजों के आंखों के आपरेशन हो रहे हैं उन्हे हम नेत्र ज्योति की कामना करते हैं।श्रीमती आशा सिंह के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर श्री जाम्या सिंह ने किया।समिति के अध्यक्ष नरेंद्र लाहोटी ने अतिथियों का स्वागत कर शिविर में आए मरीजों को नेत्र ज्योति की कामना की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए समिति के सचिव विजय कुमार जैन ने जानकारी दी। इस शहर में दोपहर 2:00 बजे तक लगभग 465 मरीज का पंजीयन किया गया। 76 मरीज का चयन मोतियाबिंद से ऑपरेशन के लिए किया गया। जिन मरीजों के ऑपरेशन होंगे उन्हें लायन्स नेत्र चिकित्सालय गुना भेजा गया दिनांक 28 फरवरी को जिन मरीजों के ऑपरेशन होंगे उन्हें अनुमेश किरण सेवा न्यास इंदौर के सौजन्य से विधायक जयवर्धन सिंह के मुख्य अतिथि में गुना में कंबल वितरित किए जाएंगे।आभार प्रदर्शन लायंस क्लब गुना के प्रतिनिधि मुकेश श्रीमाल ने किया कार्यक्रम में पुरुषोत्तम शर्मा, शीतल चंद कठारी, राजीव साहू, अशोक भारिल्य,राहुल वत्स डॉक्टर फरीदुद्दीन, गोपाल अग्रवाल, डॉ खलील अहमद, पुरुषोत्तम पुरी,राधे श्याम शर्मा,ऐजाज अहमद, कुलदीप कश्यप, पूरनलाल मेरे, विनोद उपाध्याय, दिलीप अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

इंदौर में तीर्थ स्वरूप जिनालय सुमति धाम की सौगात देने वाले मनीष सपना गोधा का आज दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद बहुमान करेगी

इंदौर. शाबाश इंडिया

गांधीनगर के समीप विकसित टाउनशिप गोधा स्टेट में स्टेट के प्रवर्तक मनीष- सपना गोधा ने अपने स्व अर्जित धन से तीर्थ स्वरूप एक अद्वितीय और सुदर्शनीय दिगंबर जैन जिनालय सुमति धाम का निर्माण कराकर अपनी उदारता, दान वीरता और अपने हृदय की विशालता का अनुपम उदाहरण (रेयर ऑफ रेयरेस्ट) प्रस्तुत किया है। सुमति धाम जिनालय नगर का एकमात्र पहला ऐसा जिनालय होगा जिसकी बेदी में वियतनाम से आयातित श्वेत मार्बल से निर्मित जैन धर्म के पंचम तीर्थंकर श्री 1008 सुमति नाथ भगवान की 51 इंच की सुदर्शनीय प्रतिमा विराजमान होगी। (वर्तमान में नगर के किसी भी जिनालय में मूल नायक के रूप में सुमति नाथ भगवान की प्रतिमा विराजमान नहीं है , इस दृष्टि से सुमति नाथ भगवान को समर्पित यह नगर में पहला जिनालय होगा) धर्म एवं समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि जिनालय का पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आगामी 6 मार्च से 11 मार्च तक चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में सुमति धाम गोधा स्टेट में होगा । महोत्सव में होने वाले व्यय के लिए भी समाज से किसी भी प्रकार का अर्थ सहयोग अथवा दान नहीं लिया गया है ना लिया जाएगा। संपूर्ण व्यय भी सिर्फ गोधा परिवार द्वारा ही वहन किया जाएगा। अतः दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, इंदौर द्वारा निर्भिमानी ,महादानी मनीष -सपना गोधा एवं उनके परिवार और प्रतिष्ठा महोत्सव के सभी प्रमुख पात्रों के पुण्य की अनुमोदना और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए कल बुधवार 28 फरवरी को प्रातः 9:30 बजे सुमति धाम गांधीनगर में बहुमान किया जाएगा। सामाजिक संसद के शिरोमणि संरक्षक एमके जैन ,अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, महामंत्री सुशील पांड्या ,मंत्री डॉक्टर जैनेंद्र जैन एवं कोषाध्यक्ष राजेंद्र सोनी ने संसद के सभी पदाधिकारियों से आग्रह किया है की सभी पदाधिकारी ठीक समय पर कार्यक्रम में पधार कर अनुग्रहित करें।

समाधिस्थ महामुनिराज विधासागरजी महाराज को जुलूस निकाल कर दी विनयांजलि

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

धांमनोद जिला धार। अखिल भारतीय जैन समाज के आव्हान पर मौन जुलुस निकाला गया । दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष राकेश जैन व ऊजार्वान सचिव संदीप मंडलोई ने बताया कि जैन समाज ने समाधिस्थ महामुनिराज विधासागरजी महाराज को अखिल भारतीय जैन समाज के आव्हान पर मौन जुलुस निकाला गया। जिसमें धांमनोद जैन समाज के महिलाएं पुरुष युवक व अनेक संघटनो के पदाकारी भी चल रहे थे । जुलूस जैन मंदिर से विभिन्न चौराहे से महेश्वर फाटा(राम चोहारा पर पहुचकर पुनः जैन मन्दिर पहुचा जुलूस में समाजजन पट्टियां व झंडे लेकर व आचार्य विधासागरजी महाराज की तसवीर लेकर चल रहे थें व नारे भी लगा रहे थे ।

महावीर इंटरनेशनल स्पर्श द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय आर्या अस्पताल को व्हील चेयर का वितरण किया

अजमेर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल अजमेर केंद्र की चेयरपर्सन इंदु जैन व स्पर्श केंद्र की चेयरपर्सन उषा जैन ने बताया कि संस्था द्वारा व्हीलचेयर वितरण का कार्य किया जा रहा है इस कड़ी मैं आज उपरोक्त कार्यक्रम किया। अजयमेरु के संरक्षक कमल गंगवाल व सचिव विजय पांड्या ने बताया कि सामाजिक सरोकार के तहत संस्था द्वारा आमजन व जरूरतमन्दों की सेवार्थ हेतु हमेशा कार्य करती है इसी कड़ी मैं आज डॉ. सूर्य प्रकाश चौधरी व अन्य डॉक्टर की उपस्थिति में व्हील चेयर भेट की जो कि आने वाले रोगियों के लिए सुविधा मैं सम्बल प्रदान करेगी। इस मोके पर डॉ.चौधरी ने मानव सेवा के लिए महावीर इंटरनेशनल अजमेर का बहुत-बहुत साधुवाद व्यक्त किया । अस्पताल प्रबन्धक ने निशक्तजन रोगियों के आने-जाने की सुविधा के लिए व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के लिए महावीर इंटरनेशनल का धन्यवाद दिया ।

दिगम्बर जैन महासमिति पश्चिम संभाग द्वारा स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

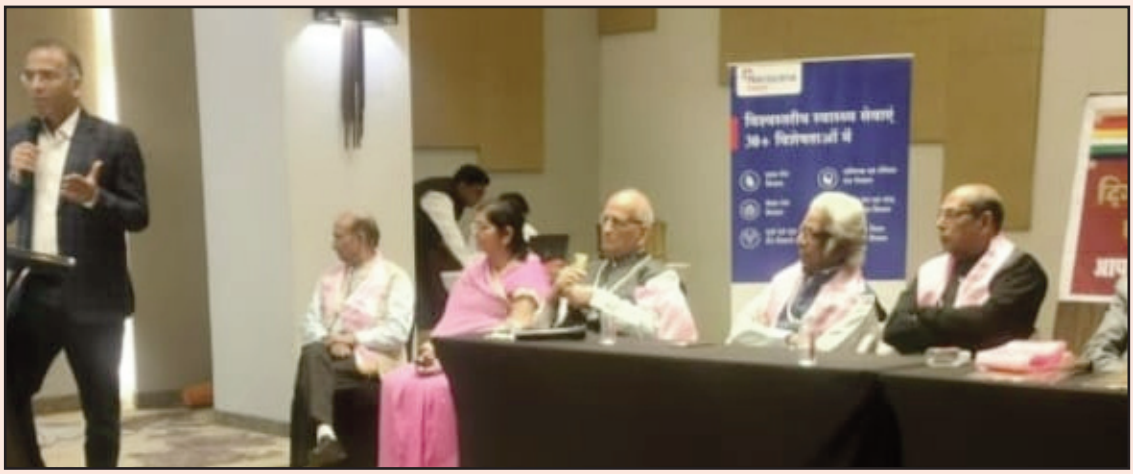

दिगम्बर जैन महासमिति पश्चिम संभाग द्वारा नारायण हॉस्पिटल के सौजन्य से मल्टी स्टार होटल हयात पैलेस मालवीय नगर में एक स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन किया गया। पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल कुमार - सरला संघी ने अवगत कराया कि इस अवसर पर डॉ राहुल जैन ,गठिया रोग विशेषज्ञ तथा डॉक्टर उदय सिंह बेनीवाल यूरोलॉजी एवं किडनी विशेषज्ञ ने संबंधित विषयों पर अत्यंत ही उपयोगी जानकारी दी तथा उपस्थित सदस्यों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अत्यंत ही सरल पद्धति से समाधान किया । महासमिति द्वारा डॉक्टर्स, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, बलविंदर वालिया, विकास शर्मा, विभोर गुप्ता के साथ ही नारायण हॉस्पिटल को एवं होटल हयात को भी महासमिति का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। पश्चिम संभाग के मंत्री महेंद्र - मंजू छाबड़ा ने बताया कि परिचर्चा का शुभारंभ मंगलाचरण श्रीमती सरला संघी ,मृदुला पांड्या, शशि सेन जैन, शशि जैन, शकुंतला जैन, मंजू पुरी जैन, मधु बाकलीवाल द्वारा प्रस्तुत किया गया । इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र -मृदुला पांड्या, राष्ट्रीय कार्यध्यक्ष नवीन सेन- शशि सेन जैन, आंचलिक अध्यक्ष अनिल- शशि जैन , आंचलिक महामंत्री महावीर बाकलीवाल के साथ ही ज्ञानचंद झांझरी, राकेश- समता गोदीका, यश कमल अजमेरा, शकुंतला जैन, परमात्मा प्रकाश भारिल्ल इत्यादि के साथ ही राष्ट्रीय, अंचल के पदाधिकारी गण, अन्य संभागों के पदाधिकारीगण, पश्चिम संभाग के तथा इकाइयों के पदाधिकारी गण की गरिमामय उपस्थिति रही। मनोज गोधा, कोषाध्यक्ष ने अवगत कराया की सुरेंद्र पांड्या, नवीन सेन जैन, अनिल जैन, यश कमल अजमेरा शकुंतला जैन, महावीर बाकलीवाल ने अपने उद्बोधन में इस परिचर्चा को अत्यंत ही उपयोगी बताया तथा कहा कि दिगंबर जैन महासमिति द्वारा समय-समय पर मेडिकल विषयों पर वार्ता एवं कैंप का आयोजन होता रहता है। अस्पताल द्वारा उपस्थित गणमान्य पदाधिकारीयों को अस्पताल का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया । अर्पित बड़जात्या, युवा मंत्री ने बताया कि होटल द्वारा सभी के लिए जैन फूड पर आधारित चाय, कॉफी, बिस्कुट के साथ ही दोपहर का अत्यंत ही स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था थी। निर्मल संघी ने यह भी अवगत कराया की महासमिति के सदस्यों को तथा उसके द्वारा प्रेषित व्यक्तियों को होटल के द्वारा 20% की छूट प्रदान की जाएगी । कार्यक्रम के अंत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

12वां वार्षिकोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक का समापन

निकली शोभायात्रा और जिनबिम्बों का महामस्तकाभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

बापूनगर स्थित ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन में स्थित पंचतीर्थ जिनालय के त्रिदिवसीय 12वें वार्षिकोत्सव व महामस्तकाभिषेक का समापन आज हुआ। पूजन, विधान, श्रीजी की शोभायात्रा सहित अनेक धार्मिक आयोजन हुए। इस दौरान काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशीलकुमार गोदीका एवं महामंत्री परमात्मप्रकाश भारिल्ल ने बताया कि समापन पर पंडित टोडरमल स्मारक प्रांगण में शोभायात्रा निकाली गई। स्थानीय भजन मंडली ने वीर भज ले...आया मंगल दिन मंगल अवसर ...जैसी भजनों की मधुर स्वर लहरियों से वातावरण भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। इसके बाद पंचतीर्थ जिनालय मैं स्थित मनोहर जिनबिम्बों का महामस्तकाभिषेक संपन्न हुआ। भगवान के अभिषेक का सौभाग्य राकेश गंगवाल, अनिल गंगवाल, यश गंगवाल, राहुल गंगवाल, विनीत गंगवाल एवं समस्त गंगवाल परिवार, संजयभाई कोठारी, मुंबई, सुरेशचन्द जैन, शिवपुरी ने प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रतिदिन प्रातःकाल तत्त्ववेत्ता डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल लिखित द्यद्रव्यसंग्रह व योगसार मण्डल विधानद्य का भव्य आयोजन किया गया। विधान विशेषज्ञ डॉ. शान्तिकुमार पाटील जयपुर ने विधान में आगत महत्त्वपूर्ण तथ्यों की ओर ध्यान आकर्षित किया। विधान पण्डित जिनेन्द्र शास्त्री के सहयोग से सम्पन्न हुआ। महोत्सव के तहत श्री टोडरमल दिगंबर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के 43वें बैच के 36 विद्वानों

का विदाई एवं दीक्षांत समारोह तीन छात्रों में संपन्न हुआ जिसमें सुरेंद्रकुमार पांडया, जयपुर, सुशील सेठी, दिल्ली, संजयभाई कोठारी, मुंबई, सुरेशचंद जैन, शिवपुरी, राहुल गंगवाल, जयपुर, नरेश जैन, आदर्शनगर उपस्थित रहे। **धर्म क्या, क्यो, कैसे?** विषय पर आयोजित विद्वत संगोष्ठी में पण्डित संयम शास्त्री, नागपुर ने धर्म परंपरा नहीं, स्वपरीक्षित साधना है, डॉ. ऋषभ शास्त्री, दिल्ली ने धर्म कब व किस अवस्था में करें, डॉ. दीपक शास्त्री, जयपुर ने धर्म लौकिक उन्नति में साधक या बाधक, पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल, जयपुर ने वर्तमान स्थिति में धर्म संभव या असंभव विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। यह संगोष्ठी डॉ. वीरसागर शास्त्री के अध्यक्षता में संपन्न

हुई, जिसका संचालन पण्डित जिनकुमार शास्त्री, जयपुर में किया।

आचार्यश्री की समतापूर्वक समाधि पर प्रतिष्ठान बंदकर विनयांजलि दी

बकस्वाहा. शाबाश इंडिया। यहां के प्राचीन श्री पारसनाथ दिगंबर जैन छोटा मंदिर जी परिसर में पूज्य राष्ट्रसंत, शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की समता पूर्वक समाधि होने पर विनयांजलि सभा में कमेटी के पदाधिकारी व समाजसेवियों ने अपनी भावभीनी विनयांजलि प्रस्तुत कर आचार्यश्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। अंतर्राष्ट्रीय विनयांजलि सभा के दौरान पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के परम शिष्य पुज्य मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज व श्री विनत सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में जैन युवा मंच द्वारा मंदिर जी में प्रातःकाल आचार्यश्री की पूजन , विधान किया गया तथा सायंकाल में 108 दीप प्रज्वलित कर आरती की गई । सभा में पूज्य मुनि श्री द्वय द्वारा संतशिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी की त्याग तपस्या साधना तथा आत्म कल्याण के साथ जीव व जनकल्याण सहित उनके अवदान उपकारों को बताया। रात्रि में विद्याधर से विद्यासागर फिल्म प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदर्शित की गई ,इस कार्यक्रम में जैन युवा मंच के अध्यक्ष सौरभ शाह, अनेकांत जैन, रत्नेश रागी,अनिल बड़कुल, प्रियांस चौधरी,आर्यन जैन सहित सभी सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर अपनी विनयांजलि दी।

रामगढ समन्वित विकास केन्द्र में नयी रचनात्मक पहल

जयपुर. शाबाश इंडिया। सार्थक मानव कुष्ठ आश्रम के रामगढ समन्वित केन्द्र में आज अध्यक्ष सुरेश कौल और उनकी टीम ने पत्रकार अशोक आत्रेय व शिल्पी बृजबल्लभ उदयवाल व रमन आत्रेय ने यहां के छात्र छात्राओं शिक्षकों व्यवस्थापकों व ग्राम वासियों से पुस्तक संवाद नाटक व सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की। इसके साथ ही नये सिरे से डेनियल फिलोद की रेजीडेंसी के विकास पर विस्तार पर चर्चा की गयी। इसे आगे समाज संस्कृति कला व शिल्प के अलावा साहित्य के एक समानांतर अनौपचारिक संवाद व सद्भावना आलय के रूप में विकसित करने के लिए विमर्श हुआ। इसके अतिरिक्त छात्रों के उपयोग के लिए नयी पुस्तकों के संग्रह की शुरूआत करने के लिए भी बात हुई। अध्यक्ष कौल ने सभी प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। फ्रांस से सुप्रसिद्ध चित्रकार डेनियल फिलोद ने भी इसके प्रति खुशी जाहिर की।

आगरा के नवीन जैन पीएनसी राज्यसभा सदस्य निर्वाचित

भाजपा के 8 और सपा के 2 प्रत्याशी विजयी

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

आगरा। उत्तर प्रदेश से नवीन जैन (भाजपा) को राज्य सभा के लिए हुए निर्वाचन में विजयी घोषित किया गया। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए 10 सदस्यों का निर्वाचन होना था। जिसमें भाजपा ने 08 और सपा ने 03 उम्मीदवार मैदान में उतारे थे। उत्तर प्रदेश विधानसभा में सदस्य संख्या के हिसाब से भाजपा के 07 एवम सपा के 03 उम्मीदवार जीतना निश्चित था, लेकिन सपा के कुछ विधायको द्वारा क्रॉस वोटिंग किए जाने के कारण भाजपा के 08 और सपा के 02 सदस्य निर्वाचित घोषित किए गएं। भाजपा द्वारा घोषित सूची में सातवें नंबर पर आगरा के पूर्व महापौर नवीन जैन को प्रत्याशी बनाया गया। 27 फरवरी को लखनऊ विधानसभा भवन में प्रातः से शाम 04 बजे तक

मतदान कराया गया। शाम 5 बजे से मतगणना प्रारंभ हुई। जिसमें भाजपा के 8 एवम सपा के 2 प्रत्याशियों को विजयी घोषित किया गया। नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद नवीन जैन का जन्म दिगम्बर जैसवाल जैन उपरोचियां समाज के श्रावक श्रेष्ठी श्री नेमीचंद प्रेमवती जैन भंडारी परिवार में 14 अक्तुम्बर 1962 को हुआ था। नवीन जैन ने भारतीय जनता पार्टी के प्राथमिक सदस्य के तौर पर 40 साल पहले पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। 1980 में नवीन जैन बीजेपी के वार्ड अध्यक्ष बने और 1989 में पहली बार वे भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर पार्षद का चुनाव लड़े। 1989 में पहली बार पार्षद चुनकर आगरा नगर निगम पहुंचे फिर 1995 में दूसरी दफा उन्होंने पार्षद का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। 1997 में नवीन जैन को आगरा का डिप्टी मेयर चुना गया। भारतीय जनता पार्टी के साथ नवीन जैन पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ जुड़े रहे और पार्टी की हर परिस्थिति में वे पार्टी के साथ खड़े रहे। अभी हाल ही आपने आगरा नगर निगम के महापौर का सफलतम एवं यादगार 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया है और अखिल भारतीय महापौर परिषद के अध्यक्ष भी रहे। श्री जैन ने आगरा का महापौर रहते हुए आगरा की रंगत बदल दी। ग्रीन आगरा -नवीन आगरा का नारा देकर अनेकों ऐसे विकास कार्य किए जिससे उनकी छवि में निखार आया और वे भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व के चहेते बन गए। राजनीति के क्षेत्र में नवीन जैन किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। आप सुप्रसिद्ध उद्योगपति हैं। आपकी कंपनी पी एन सी कंस्ट्रक्सन प्रा. लि. देशभर में पहिचानी जाती हैं। आपके ज्येष्ठ भ्राता श्री प्रदीप जी जैन वरिष्ठ उद्योगपति एवम समाजसेवी है।

गाजे बाजे से हुआ आचार्य विवेक सागर महाराज का पदमपुरा अतिशय क्षेत्र में मंगल प्रवेश

जैन धर्म के छठें तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का मोक्ष कल्याणक आज बुधवार को

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के छठें तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का मोक्ष कल्याणक दिवस बुधवार 28 फरवरी को भक्ति भाव से मनाया जावेगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किये जाएंगे तथा मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया जावेगा। इससे पूर्व अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में मंगलवार को आचार्य विवेक सागर महाराज ससंघ का गाजे बाजे के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। क्षेत्र के मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी के नेतृत्व में कमेटी की ओर से आचार्य श्री ससंघ की भव्य अगवानी करते हुए पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि बुधवार को प्रातः भगवान पदमप्रभू के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जावेगी। पूजा के दौरान मोक्ष कल्याणक अर्घ्य चढाया जावेगा तत्पश्चात निर्वाण काण्ड भाषा का उच्चारण करते हुए मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया जावेगा। जैन के मुताबिक श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा) में आचार्य विवेक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में प्रातः 7.15 बजे से मूल नायक पद्मप्रभ भगवान की प्रतिमा के विशेष अभिषेक होगें। तत्पश्चात पूजा-अर्चना की जाकर प्रातः 9 बजे निर्वाण लाडू चढाया जाएगा। प्रातः 10. 15 बजे भगवान पदमप्रभू की विशाल खड्गासन प्रतिमा के अति भव्य पंचामृत महामस्तकाभिषेक होंगे। अभादिजैनश्री 1008 पद्मप्रभ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र नेवटा में मूलनायक श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान के स्वर्ण कलश अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात प्रातः 8:30 बजे निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा।

प्रकाश चन्द लोढ़ा को अध्यक्ष, देवेन्द्र कुमार मालू को फिर मिली संघ मंत्री पद की जिम्मेदारी

श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के पदाधिकारियों कार्यकारिणी सदस्यों का चयन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के हाल ही सम्पन्न चुनावों में मतदान से निर्वाचित हुए कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक में सर्व सम्मति से संघ के अध्यक्ष के रूप में प्रकाश चन्द लोढ़ा को चुना गया। बैठक में संघ के मंत्री रहे देवेन्द्र कुमार मालू को फिर संघ मंत्री पद की जिम्मेदारी मिली। मंगलवार को आयोजित बैठक में पदम चन्द पुगंलिया को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजीव दासोत को उपाध्यक्ष, बिरदी मल दासोत को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिली। बैठक के बाद वरिष्ठ श्रावक व प्रमुख ज्वैलर विमल चन्द सुराणा सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलवाई। उल्लेखनीय है कि संघ के हाल ही सम्पन्न चुनावों में मतदान से 31 कार्यकारिणी सदस्यों का चयन हुआ था।

मूलनायक श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान

卐 श्री पद्मप्रभ जिनेन्द्राय नमः 卐

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा), जयपुर

मोक्षकल्याणक एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव

नवीन पद्मकमल जिनालय

बुधवार, दिनांक 28 फरवरी 2024
(मिती फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी संवत 2080)

धर्मानुरागी महानुभावों,

सादर जय जिनेन्द्र !

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा), जयपुर में भगवान पद्मप्रभु का "मोक्षकल्याणक एवं भव्य महा-मस्तकाभिषेक महोत्सव" बुधवार, दिनांक 28 फरवरी 2024 को आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर निर्वाण लड्डू चढ़ाये जाने एवं अन्य कार्यक्रमों के अतिरिक्त मूलनायक प्रतिमाजी के अभिषेक, विशाल खड्गसान प्रतिमाजी के पंचामृत महामस्तकाभिषेक किये जायेंगे।

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में सपरिवार इष्टमित्रों सहित सम्मिलित होकर पुण्यार्जन कर धर्मलाभ प्राप्त करें।

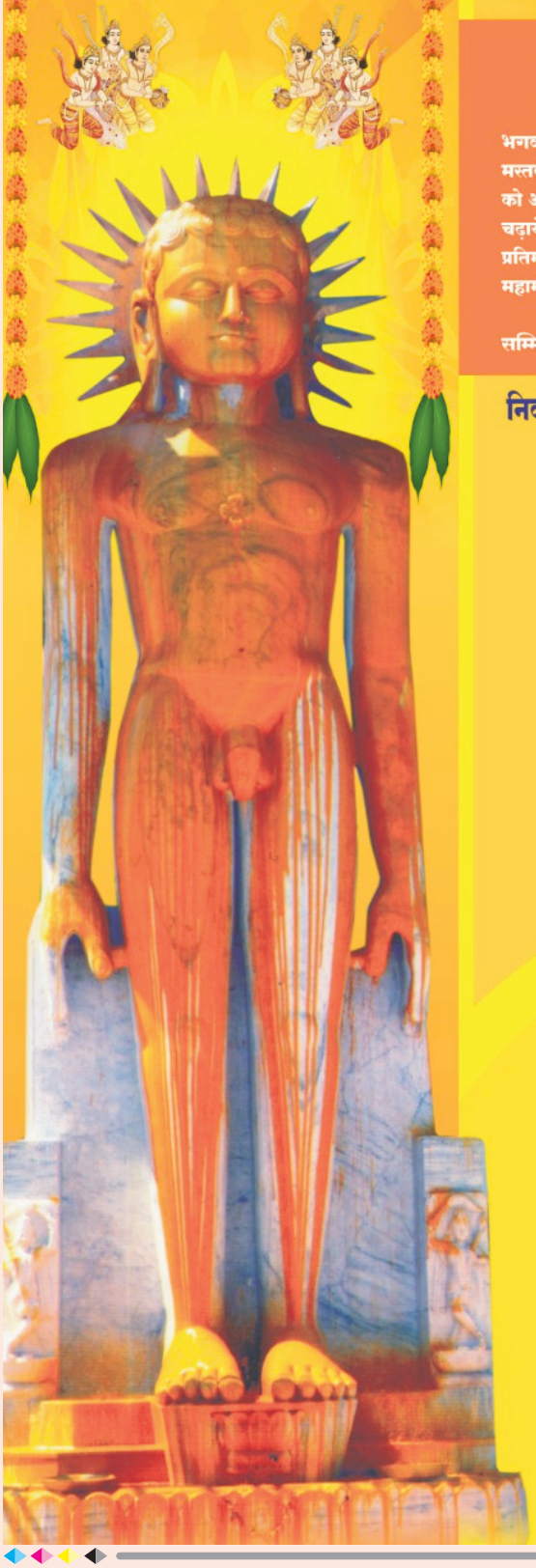

निर्वाण लाडू एवं विशाल खड्गासन प्रतिमाजी के पंचामृत महामस्तकाभिषेक

वात्सल्य आमंत्रण

मांगलिक कार्यक्रम

बुधवार, दिनांक 28 फरवरी 2024

प्रातः 7.30 बजे	:	मूलनायक भगवान पदमप्रभ जी के विशेषाभिषेक
प्रातः 8.00 बजे	:	निर्वाण पूजन
प्रातः 9.00 बजे	:	मोक्षकल्याण निर्वाण लाडू
प्रातः 10.15 बजे	:	भगवान पदमप्रभ की विशाल खड्गासन प्रतिमा जी के पंचामृत भव्य महामस्तकाभिषेक

संरक्षक : श्री रूपचन्द जी कटारिया, श्री भागचन्द जी टोंग्या, श्री ज्ञानचन्द जी झांझरी, श्री राजेन्द्र के. शेखर, न्यायाधिपति श्री नरेन्द्र कुमार जी काला,

सुधीर कुमार जैन अध्यक्ष	नेमीचन्द गंगवाल उपाध्यक्ष	सुरेशचन्द काला उपाध्यक्ष	सुरेन्द्र जैन पाण्ड्या उपाध्यक्ष
महावीर कुमार अजमेरा उपाध्यक्ष	हेमन्त सौगानी मानद मंत्री	जितेन्द्र मोहन जैन संयुक्त मंत्री	राजकुमार कोठ्यारी कोषाध्यक्ष

पदमपुरा कार्यालय
मो. 9057903365

मंत्री कार्यालय
एच-24, चितरंजन मार्ग
सी-स्कीम, जयपुर-302001
मो. 9829064506

सदस्य :
प्रवीणचन्द कासलीवाल, महावीर प्रसाद पहाड़िया, हरीशचन्द धाडूका
अनिल कुमार जैन, संतोष जैन रांवका,
डॉ. ज्ञानचन्द जैन (सोगानी), डॉ. विमल कुमार जैन, सुभाष जैन पाटनी,
चौथमल भौंसा बड़जात्या, गोविन्द जैन, नगेन्द्र कुमार जैन,
प्रेमचन्द छाबड़ा, महेन्द्र कुमार अनोपड़ा, कैलाशचन्द सोगानी,
राजेश गंगवाल, राजकुमार सेठी, नरेन्द्र कुमार जैन पाण्ड्या

क्षेत्र कार्यालय
पोस्ट-पद्मपुरा (बाड़ा)
जिला-जयपुर
मो. 9057903365

प्रबन्ध समिति श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जयपुर (राज.)

देव-शास्त्र-गुरु का विनय करते हुए पत्रिका को पढ़कर अपने समीपस्थ जिनालय में उचित स्थान पर लगावें।

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791, Email : rajugraphicart@gmail.com

समन्वय सद्भावना संगठन
दिगम्बर जैन महासमिति
दिगम्बर जैन महासमिति
महिला अंचल राजस्थान
महिला दिवस
आज की नारी की
उड़ान
Udaan
"नारी के सम्मान से ही
धर्म-संस्कृति का उत्थान संभव है।"
INTERNATIONAL WOMEN'S Day
लघु नाटिका
विद्यावाणी का आगाज़
शुक्रवार, दिनांक 1 मार्च, 2024
भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर
दोपहर बजे 12.15 से सायं 6.30 बजे तक
कार्यक्रम
• दोपहर 12.15 बजे - रजिस्ट्रेशन
• दोपहर 1.00 बजे - मंच आमंत्रण, दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण
• दोपहर 1.30 बजे - स्वागत गीत, अतिथि सम्मान, स्वागत
• दोपहर 2.00 बजे - विशेष वक्ता का उद्बोधन
• दोपहर 2.30 बजे - नारी गौरव सम्मान
• दोपहर 3.00 बजे - लघु नाटिका
• दोपहर 3.30 बजे - महासमिति पदाधिकारी उद्बोधन, शपथ ग्रहण
• दोपहर 4.00 बजे - रोचक गेम्स , हाऊजी एवं नृत्य
• दोपहर 5.30 बजे - सामूहिक सहभोज
गौरवमयी उपस्थिति
राष्ट्रीय अध्यक्ष महासमिति
श्री अशोक जी बड़जात्या
गौरवमयी उपस्थिति
राष्ट्रीय महामंत्री महासमिति
श्री सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
अंचल अध्यक्ष
अनिल कुमार जैन
I.P.S. (Retd.)
अंचल महामंत्री
महावीर बाकलीवाल
समारोह गौरव
श्रीमती नीना जी पहाड़िया
(श्री प्रमोद जी पहाड़िया)
मुख्य अतिथि
श्रीमती शशी जी सौगानी
(श्री अतुल जी सौगानी)
अध्यक्षता
श्रीमती ममता जी सौगानी
(श्री शांतिकुमार जी सौगानी) जापान वाले
दीप प्रज्वलनकर्त्ता
श्रीमती मृदुला जी पाण्ड्या
(श्री सुरेन्द्र जी पाण्ड्या)
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती अनिता कोठारी
(भगवान महावीर कैन्सर हॉस्पिटल)
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती त्रिशला जी गोधा
(धर्मपत्नी स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा)
पुरस्कार वितरणकर्त्ता
श्रीमती प्रियंका जी सौगानी
(श्री महेश जी सौगानी)
..वक्तागण..
श्रीमती राधिका राजवाला
क्राइम ब्रांच
जयपुर
सुश्री विशापा जैन
सहायकाचार्य
केन्द्रीय संस्कृत वि. वि.
जयपुर
डॉ. शिवांगी जैन
पैथोलॉजी विभाग
एस.एम.एस.हॉस्पिटल
जयपुर
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती मृदुला जी जैन
(रि.प्रो. ऐड डिपार्ट. ऑफ जूलोजी पंजाब.वि.वि.)
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती ऋतु जी कासलीवाल
(श्री सुधान्शु जी कासलीवाल)
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती पुष्पा जी बिलाला
(श्री पदम जी बिलाला)
आमंत्रित अतिथि सदस्य :
श्री नवीन सेन जी जैन • श्री ज्ञानचन्द जी झांझरी • श्री निर्मल जी संघी
श्री यशकमल जी अजमेरा • श्री प्रकाश जी पटवारी-टोंक
श्री प्रकाश जी जैन-अजमेर • श्री अरविन्द जी झांझरी-सवाईमाधोपुर
श्री विमल जी जौलावाले-निवाई • श्री मुकेश जी बोहरा-अजमेर
श्री राकेश जी गोदीका • श्री प्रदीप जी जैन • श्री विनोद जी जैन कोटखावदा
श्री धीरज जी जैन • श्री पवन जी पाण्ड्या • श्री चेतन जी जैन निमोड़िया
श्री अमित शाह • श्री कमलेश जी जैन-विधानसभा • श्री देवेन्द्र जी कासलीवाल-जनकपुरी
महिला अंचल अध्यक्ष
श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका
श्री महावीर बिन्दायका
95294-21053
महिला अंचल महामंत्री
श्रीमती सुनीता गंगवाल
श्री रमेश गंगवाल
80058-78352
महिला अंचल कोषाध्यक्ष
श्रीमती उर्मिला जैन
श्री राकेश जैन
94134-90487